मुनाफे की मिठास में घुलीं चीनी मिलें

चीनी मिलों ने अप्रैल-जून की तिमाही में दर्ज किया शानदार मुनाफा

दिलीप कुमार झा
मुंबई, 25 अगस्त

...बढ़ीं उम्मीदें

- चीनी की औसत प्राप्तियां बढ़कर 42 फीसदी हो गईं
- एथेनॉल ने भी दिया है बेहतर मुनाफा
- सितंबर में खत्म सीजन में चीनी उत्पादन 2.51 करोड़ टन रह सकता है
- हालांकि 2017 के चीनी सीजन में घटेगा उत्पादन

चीनी और एथेनॉल की प्राप्तियों में आई तेजी से इस साल अप्रैल-जून तिमाही में चीनी मिलों ने बेहतर मुनाफा दर्ज किया है। आने वाली तिमाहियों में भी यह रुझान बरकरार रह सकता है। इसके अलावा चीनी और एथेनॉल का बड़ा भंडार तैयार होने की उम्मीदें भी हैं। चीनी कंपनियों के 90 फीसदी कारोबार में इन दोनों का योगदान है।

उत्तर प्रदेश की बलराम चीनी ने जून में खत्म हुई तिमाही में 110.7 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया जबकि पिछले साल की समान अवधि में कंपनी का शुद्ध घाटा 70.4 करोड़ रुपये था। मौजूदा वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में शक्ति शुगर्स का मुनाफा बढ़कर 79 करोड़ रुपये हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में कंपनी को 22.8 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

डोलट कैपिटल मार्केट की विश्लेषक अफशां सैयद का कहना है, 'वित्त वर्ष 2017 की पहली तिमाही में चीनी कंपनियों का शानदार प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप ही था। साल दर साल चीनी की प्राप्तियों में भी 35 फीसदी की तेजी आई है और यह औसतन 35 रुपये प्रति किलोग्राम है।' चीनी कंपनियों को भी अपने मूल कारोबार से औसत प्राप्तियों में औसतन 42 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज करने का मौका मिला है। मसलन इन कंपनियों की बिक्री में केवल चीनी का ही योगदान करीब 75 फीसदी है। बेंचमार्क वाशी बाजार में औसत चीनी एम 30 में तेजी दिखी और 2017 की अप्रैल-जून तिमाही में इसका कारोबार 3712 रुपये प्रति क्विंटल पर हो रहा था जबकि पिछले साल की समान तिमाही में इसका कारोबार 2613 रुपये प्रति क्विंटल पर हो रहा था।

विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में मध्य अप्रैल से ही कच्ची चीनी की कीमतों में 30 फीसदी की तेजी आई है जिससे वैश्विक मांग और आपूर्ति के सीमित संतुलन का अंदाजा मिलता है। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के अध्यक्ष अजय श्रीराम ने जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करते वक्त कहा था, 'मार्जिन में सुधार की वजह से चीनी कारोबार की कमाई में सुधार आया है। हम सहायक उत्पादों का मूल्यवर्धन करने पर निवेश कर रहे हैं और इस कारोबार को मजबूत बनाने के लिए गन्ने की उपलब्धता बढ़ा रहे हैं।'

जून 2016 में खत्म हुई तिमाही में डीसीएम श्रीराम का शुद्ध मुनाफा बढ़कर 33 करोड़ रुपये हो गया जबकि इससे पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 1.6 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। मार्च 2016 की तिमाही में कंपनी ने 24 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। हालांकि बिक्री लायक भंडार की कम उपलब्धता के कारण पिछली तिमाही की तुलना में आधी से अधिक सूचीबद्ध चीनी मिलों ने अपने शुद्ध लाभ में थोड़ी कमी दर्ज की।

भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के एक ताजा अध्ययन के मुताबिक सितंबर में खत्म हो रहे 2016 के चीनी सीजन में चीनी का उत्पादन 2.51 करोड़ टन रहने की उम्मीद है जो पिछले साल के मुकाबले 11 फीसदी कम होगा। 2017 के चीनी सीजन में चीनी का उत्पादन अनुमानतः 8 फीसदी कम होकर 2.31 करोड़ टन रह सकता है।